वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
एक मिनी रत्न कंपनी

प्रगति

वेकोलि की त्रैमासिक पत्रिका

वेकोलि मुख्यालय

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

अनुक्रमाणिका

वेकोलि ने किया अब तक का सर्वाधिक कोयला उत्पादन एवं ओबीआर	01
वेकोलि में 75 भू-आश्रितों को रोज़गार	03
"श्रमेव जयते" समारोह में कोल कर्मी सम्मानित	05
डब्ल्यूसीएल सुपर 30 - TARASH	06
वेकोलि की 50 वीं त्रिपक्षीय सुरक्षा समिती की बैठक संपन्न	07
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का.-2) की छमाही समीक्षा बैठक और पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न	09
वेकोलि ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस	11
सुरक्षा कर्मियों ने प्राप्त किया अग्निशमन प्रशिक्षण	12
विश्व रक्तदान दिवस पर वेकोलि में रक्तदान शिविर का आयोजन	12
हिंदी और संस्कृत के सम्मान के प्रतीक	13

वेकोलि ने किया अब तक का सर्वाधिक कोयला उत्पादन एवं ओबीआर डिस्पैच में किया निर्धारित लक्ष्य को पार

सीएमडी श्री मनोज कुमार ने टीम वेकोलि को कार्यक्रम 'रू-ब-रू' के माध्यम से किया संबोधित – उपलब्धियों के लिए दी बधाई, लॉन्च किया WCL Mission 3.0

वेकोलि ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में कोयला उत्पादन एवं ओबीआर में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की है। इस वित्तीय वर्ष के दौरान वेकोलि ने 64.28 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.4% अधिक है।

ओवर बर्डन निष्कासन (OBR) में भी वेकोलि ने गत वर्ष की तुलना में 19.7% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। इस वित्तीय वर्ष में वेकोलि ने 327.13 मिलियन क्यूबिक मीटर ओवर बर्डन निष्कासन (OBR) किया। यह वेकोलि की स्थापना से अब तक, किसी भी एक वित्तीय वर्ष में, किया हुआ सर्वाधिक ओवर बर्डन निष्कासन है।

इसी प्रकार वेकोलि ने इस वित्तीय वर्ष के लक्ष्य को पार करते हुए, 62.16 मिलियन टन कोयला डिस्पैच किया है।

वेकोलि ने किया अब तक का सर्वाधिक कोयला उत्पादन एवं ओबीआर डिस्पैच में किया निर्धारित लक्ष्य को पार

दिनांक 01.04.23 को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (वेकोलि) के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ने कार्यक्रम 'रू-ब-रू' के माध्यम से टीम वेकोलि के साथ सीधा संवाद किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वेकोलि ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में, कम्पनी के स्थापना-काल से अब तक का सर्वाधिक कोयला-उत्पादन एवं ओवर बर्डन निष्कासन किया है। इसी प्रकार वेकोलि ने डिस्पैच में अपने लक्ष्य को पार किया है। उन्होंने इन उपलब्धियों के लिए टीम वेकोलि को बधाई दी।

उन्होंने आगे कहा की वेकोलि में यह ऐतिहासिक वृद्धि अनेक सकारात्मक पहल का प्रतिफल है। उन्होंने भूमिगत खनन को वेकोलि के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि कन्हान क्षेत्र की शारदा माइन की प्रारंभिक प्रक्रिया पूर्ण हो गई है तथा यहाँ जल्द ही कोयला उत्पादन शुरू होगा। उन्होंने बल्लारपुर क्षेत्र की धूपतला ओपन कास्ट खदान का जिक्र करते हुए बताया कि इस वर्ष 2022-23 में ही इस माइन में कोयला उत्पादन शुरू हुआ।

उन्होंने खनन कार्य में सुरक्षा के महत्व को उजागर करते हुए कहा कि कोयला खनन प्रक्रिया को अधिक कारगर एवं सुरक्षित बनाने हेतु वेकोलि द्वारा कंटीन्यूअस माइनर एवं सरफेस माइनर जैसी नई तकनीक को वृहद् तौर पर अपनाया जा रहा है। वेकोलि में कुल 20 कंटीन्यूअस माइनर लगाने की योजना है। उन्होंने कहा कि वणी क्षेत्र की मुंगोली खदान में, इस वर्ष 2022-23 में, सरफेस माइनर का प्रयोग शुरू किया गया है। इसी श्रृंखला में अगला सरफेस माइनर पौनी-II खदान में जल्द ही शुरू होगा एवं निकट भविष्य में तीन और परियोजनाओं में सरफेस माइनर लगाए जाएंगे।

'रू-ब-रू' के दौरान उन्होंने वेकोलि के लिए Mission 3.0 लॉन्च किया. इस मिशन का लक्ष्य 70 मिलियन टन कोयला उत्पादन को हासिल करना है।

इस वर्ष कम्पनी के उत्पादन में वणी क्षेत्र का सबसे ज्यादा 16.31 मिलियन टन कोयले का योगदान रहा। इसी प्रकार उमरेड क्षेत्र का 12.91 मिलियन टन और नागपुर क्षेत्र का 8.37 मिलियन टन कोयला-उत्पादन का उल्लेखनीय योगदान रहा।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के ऐतिहासिक वृद्धि से उत्साहित टीम वेकोलि ने नए वित्तीय वर्ष का लक्ष्य भी निर्धारित कर लिए है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कोयला उत्पादन का लक्ष्य 67 मिलियन टन तय किया गया है। नए लक्ष्य को हासिल करने का विश्वास टीम वेकोलि में स्पष्ट दिखाई पड़ता है।

वेकोलि में 75 भू-आश्रितों को रोज़गार

माननीय केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी एवं माननीय सांसद श्री कृपाल तुमाने ने किए नियुक्ति पत्र प्रदान

वेकोलि में दिनांक 01.04.2023 को 75 भू-आश्रितों को नियुक्ति दी गई। इस उद्देश्य से वेकोलि मुख्यालय के सांस्कृतिक भवन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय लोकसभा सदस्य (रामटेक) श्री कृपाल तुमाने एवं वेकोलि के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार उपस्थित रहे। समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों ने सभी 75 भू-आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

माननीय केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने अपने उद्बोधन में वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड को वित्तीय वर्ष 2022-23 का कोयला उत्पादन लक्ष्य पार करने पर बधाई दी एवं आगे देश की कोयला आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु प्रेषण बढ़ाने की अपेक्षा जताई। उन्होंने सभी नियुक्ति प्राप्त युवाओं को शुभकामनाएँ दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नियुक्ति पत्र पाने वाले सभी युवाओं के लिए यह स्वर्णिम अवसर है एवं इस रोजगार के माध्यम से उन्हें देश के विकास यात्रा में अपनी सहभागिता निभानी चाहिए।

वेकोलि में 75 भू-आश्रितों को रोज़गार

श्री गडकरी ने अपने सम्बोधन में वेकोलि के "आउट ऑफ़ बॉक्स" योजनाओं का जिक्र करते हुए ओवर बर्डेन से रेत निकालने एवं उसे कम दर पर बाज़ार में उपलब्ध कराने आदि योजनाओं की प्रशंसा की।

इस अवसर पर श्री तुमाने ने वेकोलि को वर्ष 2022-23 में 64.28 मिलियन टन कोयला उत्पादन करने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि युवा पीढ़ी के वेकोलि परिवार में सम्मिलित होने से निश्चित ही खनन कार्यों को बल मिलेगा। उन्होंने आने वाले समय के लिए सभी को शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के आरंभ में वेकोलि के सीएमडी श्री मनोज कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया तथा सभी को कंपनी के पिछले वित्तीय वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में निदेशक (कार्मिक) डॉ. संजय कुमार ने आभार प्रदर्शन किया।

समारोह में वेकोलि के निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री जे. पी. द्विवेदी, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री ए. के. सिंह, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री अजय म्हेत्रे एवं स्टीयरिंग कमिटी के सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह में अधिकारी एवं कर्मचारी बढ़ी संख्या में उपस्थित थे।

"श्रमेव जयते" समारोह में कोल कर्मी सम्मानित

कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन श्री प्रमोद अग्रवाल ने कोल इंडिया तथा वेकोलि की सफ़लता का श्रेय टीम के हर एक सदस्य को दिया। श्री अग्रवाल ने आश्वस्त किया कि वेकोलि का भविष्य उज्ज्वल है। वे दिनांक 07.04.2023 को मुख्यालय के सांस्कृतिक भवन में आयोजित "श्रमेव जयते" कार्यक्रम में कोल कर्मियों को सम्मानित करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे।

श्री अग्रवाल ने कहा कि कोल इंडिया एवं वेकोलि ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में कोयला उत्पादन एवं ओबीआर में ऐतिहासिक सफलता दर्ज की है। उन्होंने सभी को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी और चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी।

प्रारंभ में वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ने अध्यक्ष, कोल इंडिया लिमिटेड श्री प्रमोद अग्रवाल का स्वागत तथा झंकार महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती अनिता अग्रवाल ने कोल इंडिया ऑफिसर्स वाइव्स समिति की अध्यक्षा डॉ रेणु अग्रवाल का स्वागत किया।

समारोह में निदेशक (कार्मिक) डॉ. संजय कुमार, निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री जे. पी. द्विवेदी, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री ए. के. सिंह, सी.वी.ओ श्री अजय म्हेत्रे, कोल इंडिया अध्यक्ष के तकनीकी सचिव श्री एम. के. सिंह, वेकोलि स्टीयरिंग कमेटी तथा वेलफ़ेयर बोर्ड के सदस्य प्रमुखता से उपस्थित थे।

वेकोलि के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ने कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत भाषण दिया तथा निदेशक (कार्मिक) डॉ. संजय कुमार ने आभार प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर अतिथियों ने झंकार महिला मंडल की पुस्तक 'स्नेहांचल' का विमोचन भी किया। झंकार महिला मंडल द्वारा अतिथियों के हस्ते एस. वी. के. शिक्षण संस्था, नागपुर को आर्थिक सहायता स्वरूप 21 हज़ार रुपये का चेक प्रदान किया गया।

डब्ल्यूसीएल सुपर 30 - TARASH के अंतर्गत 30 छात्रों को आईआईटी-जेईई तथा एनईईटी के लिये किया जायेगा प्रशिक्षित

डब्ल्यूसीएल सीएसआर के अंतर्गत उत्कृष्ट छात्रों की प्रतिभा निखारने एवं उनकी उच्च शिक्षा में सक्रिय सहयोग देने हेतु प्रोजेक्ट डब्ल्यूसीएल सुपर 30 – TARASH (Talent Amplification of Rural Youth through Aggressive Skill Hunt) की शुरुआत की गई। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 30 छात्र-छात्राओं की प्रथम बैच का शुभारंभ दिनांक 22.05.2023 को डब्ल्यूसीएल मुख्यालय में किया गया।

यह छात्र चन्द्रपुर तथा नागपुर में आयोजित विशेष परीक्षा द्वारा चयनित किए गए है। इनमें 19 लड़कियाँ तथा 11 लड़कों का समावेश है। इन में से 15 छात्रों को आईआईटी-जेईई (IIT-JEE) तथा शेष 15 को एनईईटी (NEET) परीक्षाओं के लिए आकाश-बायजू के केंद्र में दो वर्षों तक प्रशिक्षित किया जायेगा।

कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक (कार्मिक) डॉ संजय कुमार, निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री जे. पी. द्विवेदी एवं सीवीओ श्री ए. एम. म्हेत्रे उपस्थित रहे।

अपने उद्बोधन में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा की उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रयत्नशील रहना चाहिए। कठोर परिश्रम तथा पूर्ण एकाग्रता से ही कठिन तम कार्य को भी सफल किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत संबोधन श्री ए एन वर्मा, विभागाध्यक्ष (कल्याण/सीएसआर) ने किया। कार्यक्रम में ज़िला शिक्षा अधिकारी, चंद्रपुर श्रीमती अनिता ठाकरे, आकाश बायजू के श्री प्रतीक सारडा, वेकोलि के वरिष्ठ अधिकारीगण तथा छात्रों के अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

वेकोलि की 50 वीं त्रिपक्षीय सुरक्षा समिती की बैठक संपन्न

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की "50 वीं त्रिपक्षीय सुरक्षा समिती" की बैठक दिनांक 19.04.2023 को अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार, उप महानिदेशक खान सुरक्षा (पश्चिमी अंचल) श्री बी. पी. सिंह, खान सुरक्षा महानिदेशालय एवं WCL के निदेशक गण, WCL त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति तथा कोल इंडिया लिमिटेड के सेफ्टी बोर्ड के सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुई।

इस अवसर पर वेकोलि के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि कर्मियों की सेफ्टी (सुरक्षा), प्रबंधन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कोयला खनन कार्यों में सुरक्षा के नियमों के शत-प्रतिशत अनुपालन से ही वेकोलि का विकास संभव है। सुरक्षा के मापदंडों का समुचित पालन आवश्यक है एवं इसी के माध्यम से खनन कार्य में गति और देश के कोयला आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकती है। अपने संबोधन में उन्होंने सेफ्टी पर जागरूकता बढ़ाने पर ज़ोर दिया।

बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित उप-महानिदेशक (खान सुरक्षा) पश्चिम अंचल, भारत सरकार श्री बी. पी. सिंह ने वेकोलि की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सुरक्षा सम्बन्धी कार्यों को समय सारणी बनाकर योजनाबद्ध तरीके से संपन्न करें।

बैठक की अध्यक्षता स्टैंडिंग कमिटी ऑन सेफ्टी (कोल) के सदस्य श्री. एन. आर. सराटकर ने की। उन्होंने सलाह दी कि गहन प्रशिक्षण देकर सेफ्टी के स्तर का विस्तार करें तथा विश्लेषण कर कमियों के कार्य पद्धति को और बेहतर करें।

वेकोलि की 50 वीं त्रिपक्षीय सुरक्षा समिती की बैठक संपन्न

कोल इंडिया सेफ्टी बोर्ड के सदस्य श्री सी. जे. जोसफ़ ने कहा कि पिछले वर्षों में खदानों की सुरक्षा बढ़ी है। उन्होंने ऐसी बैठकों को कम अंतराल पर करने का सुझाव दिया।

इस अवसर पर खान सुरक्षा महानिदेशालय के निदेशक गण सर्वश्री नीरज कुमार, एस. पुट्टाराजू, टी. श्रीनिवास, रुपेश श्रीवास्तव, पंकज जैन, WCL के निदेशक गण श्री जे. पी. द्विवेदी, श्री ए. के. सिंह, त्रिपक्षीय सुरक्षा समिती के सदस्य सर्वश्री जीतेन्द्र मल्ल, महंगी यादव, सादिक अहमद रिज़वी, सैयद सरफराज, दिलीप सातपुते, प्रमोद कुमार सिंह, सुनील मोहितकर, , श्रीनाथ सिंह, प्रमोद चौहान, प्रमोद अर्जुनकर तथा रविन्द्र थूने ने सुरक्षा के संबंध में अपने सुझाव दिए।

कोल इंडिया कार्पोरेट गीत के साथ प्रारम्भ इस कार्यक्रम में सुरक्षा शपथ लेने के बाद खान-दुर्घटनाओं में शहीद श्रमिकों को मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गयी। इसके उपरान्त अमेरिका में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय खान रेस्क्यू प्रतियोगिता में ओवरआल तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली रेस्क्यू टीम तथा कोयला खनन एवं सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले कर्मियों को भी सम्मानित किया गया।

स्वागत संबोधन महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं संरक्षण) श्री आर. एम. वानरे ने किया। वेकोलि में सेफ़्टी की स्थिति, वर्ष पर्यंत किए कार्यों तथा आगे की योजना पर मुख्य प्रबंधक (खनन) श्री सुधांशु श्रीवास्तव ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (रेस्क्यू) श्री एस. के. श्रीवास्तव ने एवं संचालन श्री मिलिंद चहांदे, प्रबंधक (जन सम्पर्क) ने किया। बैठक में सुरक्षा निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी गण, वेकोलि के क्षेत्रीय महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी गण उपस्थित रहे।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का.-2) की छमाही समीक्षा बैठक और पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

दिनांक 13-06-2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), नागपुर (कार्यालय-2) की छमाही समीक्षा बैठक एवं पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

बैठक की अध्यक्षता श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, नराकास (का.-2) एवं सीएमडी, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने की। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. संजय कुमार, निदेशक (कार्मिक), वेकोलि, डॉ. महेश सुरेश खुमकर, आयडीएएस, वायु सेना तथा डॉ. वाय. जी. काले, खान नियंत्रक एवं राजभाषा अधिकारी, भारतीय खान ब्यूरो उपस्थित रहे। उप निदेशक (कार्यान्वयन), मुंबई डॉ. सुस्मिता भट्टाचार्य वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ी और अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (कार्मिक) एवं राजभाषा प्रमुख श्री आर. के. सिंह एवं महाप्रबंधक (कार्मिक) श्री पी. नरेंद्र कुमार ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया।

बैठक को संबोधित करते हुए नराकास (का.-2) के अध्यक्ष एवं सीएमडी डब्ल्यूसीएल श्री मनोज कुमार ने कहा कि हिंदी देश की अखंडता में अपनी

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का.-2) की छमाही समीक्षा बैठक और पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

सार्थक भूमिका निभाती है। उन्होंने हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार को आवश्यक बताते हुए सभी सदस्य कार्यालयों को अधिक-से-अधिक कार्य राजभाषा हिन्दी में करने और गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के दिशानिर्देशों का अनुपालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस दिशा में सूचना प्रौद्योगिकी के व्यापक इस्तेमाल पर बल दिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में वेकोलि के निदेशक (कार्मिक) डॉ. संजय कुमार ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों का स्वागत करते हुए कहा कि हमें हिंदी को मुख्य भाषा के रूप में स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने हिंदी के प्रचार-प्रसार में नराकास के भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

बैठक में गत 6 माह में आयोजित नराकास-2 की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर वेकोलि के मौलिक पुस्तक लेखन योजना के अंतर्गत पुस्तक 'बिंब का प्रतिबिंब' (काव्य-संग्रह) के लिए डॉ. मनोज कुमार, उप प्रबंधक (राजभाषा) को अतिथियों ने सर्टिफिकेट एवं रूपए 25,000/- रूपये की पुरस्कार राशि के साथ सम्मानित किया।

बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई एवं आम सहमति बनी। इस अवसर पर सदस्य कार्यालयों के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान नराकास (का.-2) के सदस्य कार्यालयों / विभागों के प्रमुख सहित सदस्य कार्यालयों के राजभाषा अधिकारी, अनुवाद अधिकारी एवं पुरस्कार विजेता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नराकास-2 के सदस्य सचिव एवं उप प्रबंधक (राजभाषा) डॉ. मनोज कुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन ईपीएफओ के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्री अरुण कुंभारे ने किया।

वेकोलि ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

दिनांक 21.06.2023 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वेकोलि मुख्यालय स्थित कोल क्लब में आयोजित योग दिवस के कार्यक्रम में अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार तथा निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री ए. के. सिंह ने टीम वेकोलि के सदस्यों के साथ मिलकर योगाभ्यास किया। योग गुरु श्री अशोक गांधी ने कोल क्लब में सभी को विभिन्न आसन कराएं तथा इन आसनों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारीगण तथा कर्मीयों ने भी योगाभ्यास किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कल्याण विभाग का सक्रिय योगदान रहा।

इसी प्रकार वेकोलि मुख्यालय के झंकार महिला मंडल द्वारा भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योगाभ्यास किया गया। सांस्कृतिक भवन में आयोजित योग दिवस के इस कार्यक्रम में महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती अनीता अग्रवाल तथा उपाध्यक्षा सर्व श्रीमती आभा द्विवेदी, इंदू सिंह एवं सोनाली म्हेत्रे ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में सर्व श्रीमती गायत्री सातवकर तथा चरणजीत कौर ने योगाभ्यास कराया, जिसे उपस्थित महिलाओं ने किया। योग दिवस का कार्यक्रम, मुख्यालय के साथ-साथ वेकोलि के सभी क्षेत्रों में आयोजित किया गया।

सुरक्षा कर्मियों ने प्राप्त किया अग्निशमन प्रशिक्षण

वेकोलि के मूल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सुरक्षा कर्मियों ने दिनांक 19 जून 2023 को राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय (नेशनल फायर सर्विस कॉलेज), नागपुर में एक दिवसीय अग्निशमन प्रशिक्षण प्राप्त किया। वेकोलि सुरक्षाकर्मियों को 24 घंटे कार्यस्थल पर सचेत रहना आवश्यक होता है तथा आग लगने की परिस्थिति में वह सर्वप्रथम आग पर रोकथाम करने हेतु उपलब्ध होते हैं।

इस आशय में वेकोलि के 33 सुरक्षाकर्मियों ने अग्निशमन का यह प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण में श्री धर्मेन्द्र पाल, उप निदेशक, एन.एस.एफ.सी ने आग संबंधी ज्ञान, उसको बुझाने के माध्यम, नई तकनीक तथा कोयला उत्पादन क्षेत्रों में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से बताया। सुरक्षा विभाग, वेकोलि द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में बेसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम लगातार चलाया जा रहा है तथा अब तक 200 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को इस तरह के प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त हो चुका है।

विश्व रक्तदान दिवस पर वेकोलि में रक्तदान शिविर का आयोजन

हेडगेवार रक्त कोष के डॉ. रामकृष्ण बालाजी रणदिवे विशिष्ट अतिथी के रूप में उपस्थित रहे। रक्त दान शिविर को सफल बनाने में वेकोलि के चिकित्सा अधिकारी डॉ. पृथ्वी कृष्णा पट्टा सहित मेडिकल विभाग की टीम एवं हेडगेवार रक्त कोष के टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विश्व रक्तदान दिवस के उपलक्ष्य में वेकोलि के चिकित्सा विभाग तथा डॉ. हेडगेवार रक्त कोष, नागपुर के सयुंक्त तत्वावधान में दिनांक 14 जून, 2023 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 45 यूनिट रक्तदान किया गया।

इस अवसर पर वेकोलि की प्रमुख चिकित्सा सेवाएं डॉ सुजाता सरमुकद्दम मुख्य अतिथि के रूप में तथा

हिंदी और संस्कृत के सम्मान के प्रतीक

डॉ. मनोज कुमार
उप प्रबंधक (राजभाषा)

भारत अनेकों भाषाओं और बोलियों का उप महाद्वीप रहा है परन्तु आदिकाल से ही हिंदी सहज, सरल और सरस होने के कारण जन-जन के मन की भाषा बनने में काफी हद तक सफल हुई है। हम जो कुछ भी बोलते अथवा लिखते हैं वह वास्तव में हमारे अंत:करण की आवाज होती है और समय की मांग भी, जो हमारी भाषा के रूप में हमारी सभ्यता, संस्कृति एवं हमारे सामाजिक परिवेश को सामने लाती है। 14 सितम्बर, 1949 को राजभाषा के रूप में संविधान में देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी को स्वीकृति मिली तथा 26 जनवरी, 1950 को हमारा संविधान लागू हुआ। भारत सरकार द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए कई योजनाओं के माध्यम से सार्थक प्रयास किए जा रहे है। देश की एकता और अखंडता के रूप में हिंदी, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा और इससे भी कहीं अधिक विश्व भाषा बनने के संकल्प के साथ अग्रसर हो रही है। जिन मूलभूत तत्वों के कारण कोई देश राष्ट्र कहलाता है इसमें राष्ट्रीय संविधान, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्र गीत के साथ ही राष्ट्रभाषा या राजभाषा का भी अपना महत्वपूर्ण स्थान है। जैसा कि हम सब जानते हैं कि किसी भी राष्ट्र या लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए सांस्कृतिक एकता का होना नितांत आवश्यक है और किसी भी राष्ट्र की भाषा तथा लिपि राष्ट्रीय एकता का विशेष अंग है। अतः भाषा राष्ट्रीय एकता की ऐसी कड़ी है जो न केवल भावात्मक एकता को सुदृढ़ बनाती है अपितु सांस्कृतिक, धार्मिक एवं सामाजिक सहिष्णुता भी पैदा करती है। हिंदी हमारे देश की भाषा अथवा बोली ही नहीं अपितु एक ऐसी धरोहर है जिसने न केवल भारतीय सामासिक संस्कृति को एकता सूत्र में बांधा है, अपितु राष्ट्रीय अखंडता को भी अक्षुण्ण रखा है।

हिंदी हमारी, संस्कृति, सभ्यता को व्यक्त करने में सदैव सफल रही है। संस्कृत के उदर से जन्म होने के कारण यह हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। वैदिक काल में संस्कृत के बाद यह पालि, प्राकृत, शौरसेनी, मागधी, अर्धमागधी, पैशाची, ब्राचड़, अपभ्रंश, डिंगल-पिंगल और खड़ी बोली के लम्बे सफर को पार करती हुई आज के वर्तमान स्वरूप में राजभाषा हिंदी तक पहुँची है और विश्व भाषा बनने की दिशा में अग्रसर है। पिछले २५०० वर्षों के लम्बे इतिहास में हिंदी के नए-नए रूप सामने आते रहे हैं। वर्तमान में पूर्वी हिंदी, पश्चिमी हिंदी राजस्थानी हिंदी, बिहारी हिंदी, मुम्बईया हिंदी,

हिंदी और संस्कृत के सम्मान के प्रतीक

हैदराबादी हिंदी एवं पहाड़ी हिंदी के रूप में हिंदी भारत की भाषा ही नहीं, अपितु भारतवासियों के दिल की धड़कन बनी है। खुले मन से सबका स्वागत करने वाली हिंदी हिंद की भाषा है, सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा की भाषा है।

देश की रक्षा में तैनात वीर जवानों को एक सूत्र में बांधने वाली भाषा भी यही है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यह संदेश कि स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा, चलो दिल्ली आदि नारों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने वाली भाषा भी यही थी। राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी ने स्वतंत्रता वृद्धि करना और उसका आंदोलन में प्राण फूंक कर संपूर्ण जन मानस में राष्ट्रीयता की लहर पैदा कर दी थी। संविधान सभा ने भारतवासियों की इसी धड़कन को सुनकर हिंदी को संघ की राजभाषा बनने का गौरव प्रदान किया। स्वामी दयानंद से लेकर राजा राममोहन रॉय और केशवचंद्र सेन तक ने जिसे आम जन तक पहुँचाने की कोशिश की तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने जिसे राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित किया उसके पीछे असली मनोवृति यह थी कि हिंदी किसी एक क्षेत्र अथवा समुदाय विशेष की भाषा न होकर विस्तृत जनसंपर्क की भाषा है, जिसे राष्ट्र की अधिकांश जनसंख्या, चाहे साक्षर हो या निरक्षर बोलती है और समझती है। हिंदी राष्ट्र का चिंतन, दर्शन, धड़कन और आत्मा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने कहा था कि यदि हिंदी बोलने में भूल हो, तो भी उसकी कतई चिंता नहीं करनी चाहिए। भूलें करते-करते भूलों को सुधारने का अभ्यास हो जाएगा।

गुरु रवीन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि आधुनिक भारत की संस्कृति एक विकसित शतदल काम के समान है जिसका एक-एक दल एक-एक प्रांतीय भाषा और उसका साहित्य संस्कृति है। किसी एक को मिटा देने से उस कमल की शोभा नष्ट हो जाएगी। मैं चाहता हूँ कि सभी प्रान्तीय बोलियां, अपने घर में रानी बन कर रहें और हिंदी इनके बीच महारानी बनकर विराजती रहे।

कुछ इसी तरह के कारण रहे हैं कि 14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा का पद दिया गया। भारत के संविधान के भाग-5, (अनुच्छेद-120), भाग-6 (अनुच्छेद-210) और भाग-17 (अनुच्छेद-343) में राजभाषा संबंधी प्रावधान पारित किए गए और राजभाषा अधिनियम 1963 पारित करने के साथ-साथ ही संसद में एक भाषा नीति संबंधी संकल्प पारित किया गया जिसमें यह कहा गया कि संविधान के अनुच्छेद, 343 के तहत संघ की राजभाषा हिंदी होगी और उसके अनुच्छेद 351 के अनुसार हिंदी भाषा का प्रसार, वृद्धि करना और उसका विकास करना है ताकि वह भारत की सामासिक संस्कृति के सब तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके।

वास्तव में हिंदी का सहज और सरल रूप जो अनायास ही कलम की नोक पर अथवा जुबान पर थिरक जाए वही राज-काज की सही भाषा है। हिंदी की विशेषताओं में सबसे बड़ी विशेषता है इसकी सरसता । इस भाषा में स्वाभिमान है, पर अहंकार नहीं। इसमें एक सरल प्रवाह है। यह अपने को किसी भी परिस्थिति में उपयोगी बनाना जानती है। भारत को देवभूमि कहा गया है, अतः यहाँ की भाषा में देवभाषा बनने के सारे गुण विद्यमान हैं। किसी भी भाषा की धमनियों में रक्त प्रदान करती है उसकी बोलियां इसमें हिंदी का सौभाग्य चरम सीमा पर है। हिंदी में योजनाओं का प्रारूप बनाने से न केवल भाषा के प्रचार-प्रसार को बल मिलता है अपितु राष्ट्रीय एकता के साथ-साथ देश की संस्कृति का विस्तार भी सुदृढ़ता से होता है। आज हिंदी को अपनाने के अनेक लाभ हैं जैसे :- एक

हिंदी और संस्कृत के सम्मान के प्रतीक

विशाल जनसमूह तक पहुँचना सहज है , इस भाषा में अभिव्यक्ति करना आसान है, इस का जुड़ाव आजादी से होने से यह भाषा देश-प्रेम की भावना से ओत-प्रोत है, हिंदी को समझना और समझाना आसान है आदि।

आज ग्लोबलाइजेशन तथा उदारीकरण की नीति ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित किया है। आज के व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र का दृष्टिकोण विश्वव्यापी हो गया है। क्या व्यापार, क्या संस्कृति, क्या भौगोलिक सीमाएं सभी क्षेत्रों में लोग एक दूसरे के करीब आकर अपने पारस्परिक राष्ट्रीय हितों के संदर्भ में समान विचारधारा रखकर कार्य करने लगे हैं। फिर हिंदी इससे अछूती कैसे रहती? आज जहां हिंदी के शब्द भण्डार में अंग्रेजी तथा अन्य भाषाओं के शब्द आकर रच-बस गए हैं, वहीं हिंदी भाषा भी अंग्रेजी को व्यापक रूप से प्रभावित कर रही है। कार्पोरेट तथा विज्ञापन जगत में कई हिंदी शब्द और आदर्श वाक्य उनके व्यापार में दिन दोगुनी रात चौगुनी वृद्धि कर रहे हैं। विश्व के लगभग दो दर्जन देशों के पचास से अधिक विश्वविद्यालयों में संस्कृत और हिंदी का पठन पाठन किया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका का जोहान्सबर्ग हो या अमेरिका का न्यूयॉर्क, सभी स्थानों में हिंदी का परचम बुलंदी पर है। आज वैश्विक बाज़ार की मांग हिंदी है इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता है। भारत विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश जो हो चला है।

भारत सरकार द्वारा समय-समय पर चलाई जा रही कई सरकारी योजनाओं में सांस्कृतिक विस्तार में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है जिसमें हिंदी के कुछ के नाम, नारे, स्लोगन आदि महत्वपूर्ण हैं जैसे :- एक कदम स्वच्छता की ओर, नमामि गंगे कार्यक्रम, आदर्श ग्राम योजना, उज्ज्वला योजना, विश्व योग दिवस, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, जन-धन योजना, प्रधानमंत्री वय वंदना योजना, स्टैंड अप इंडिया योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम किसान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, डिजिटल इंडिया, पीएम कौशल विकास योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, किशोरियों के लिए योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजी-मनरेगा), जननी सुरक्षा योजना, दीनदयाल विकलांग पुनर्वास योजना, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय), पीएम ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई, पीएम ग्राम सड़क योजना), संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (MPLADS), मछुआरों के कल्याण पर राष्ट्रीय योजना, अग्निपथ योजना, पीएम पोषण शक्ति निर्माण अभियान (पीएम-पोषण, समग्र पोषण के लिए प्रधान मंत्री की व्यापक योजना, (लिट) पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना) आदि हैं। जिनमे हिंदी के सरल एवं मनोहर शब्दों का प्रयोग किया गया है। यह हिंदी और संस्कृत के सम्मान के प्रतीक भी कहे जा सकते हैं।

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

एक मिनी रत्न कंपनी